श्री कामेश्वर सिंह 'सहायक प्रोफेसर'
राजनीति विभाग, सहरसा महिला कालेज सहरसा
वर्ग - बी०ए० पार्ट - I 'प्रतिष्ठा'
पत्र - प्रथम 'यूनिट नं० - 18
राजनीतिक शास्त्र' डॉ० वीरकेश्वर प्रसाद सिंह
दिनांक - 14-07-2020

जनमत निर्माण के साधन के शेष भाग

2. सार्वजनिक सभाएं → सार्वजनिक सभाएं भी जनमत के निर्माण में सहायता करता है। सभाओं में वाद विवाद होता है। सरकारी नीतियों एवं सार्वजनिक प्रश्नो पर विचार होता है। विभिन्न दलो के प्रतिनिधी अपने विचारो को जनता के समक्ष रखते है। जिससे राजनितिक चेतना का विस्तार होता है एवं जनमत का निर्माण होता है।

3. राजनितिक दल → जनमत के निर्माण तथा अभिव्यक्ति के साधनो में राजनीतिक दल जनता के समक्ष राजनीतिक समस्याएं को विभिन्न पहलुओ को रखते है। और जनता की इच्छाओ को स्पष्ट एवं संगठित रूप देते है इस प्रकार राजनीतिक दल अपने उद्देश्य नितियों तथा सिद्धांतो के प्रचार द्वारा जनमत का निर्माण करें।

4. रेडियो और टेलीविजन → जो व्यक्ति अशिक्षित होते है उनके लिए रेडियो एवं टेलीविजन जनमत के निर्माण में

सहायता करता है। इसमें मनोविनोद के साथ-साथ अनेक समाचार सुनने को मिलते हैं। जनता को सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक समस्याओं के प्रति जागरूकता उत्पन्न करते हैं तथा जनमत के निर्माण में सहायता पहुँचाता है।

5. शिक्षण संस्थाएँ → विद्यालय महाविद्यालय एवं अन्य शिक्षण संस्थाएँ प्रत्यक्ष रूप से जनमत के निर्माण में मदद करती हैं। विद्यालयों में शिक्षकों तथा छात्रों के बीच वाद विवाद आपस में विचार विमर्श एवं सार्वजनिक विषयों पर चर्चा होती रहती है। शिक्षण संस्थाएँ में अनेक विषयों की पढ़ाई होती है, जो छात्रों में राजनीतिक चेतना पैदा करता है एवं जनमत के निर्माण में योग्य देता है।

6. चुनाव → चुनाव के समय विभिन्न दलों द्वारा अनेक प्रकार की विचारों को प्रकट किया जाता है। जिससे जनता को किसी सार्वजनिक विषय पर अपना विचार निर्धारित करने में सहायता मिलती है। इसलिए कहा जाता है कि चुनाव भी जनमत का निर्माण का साधन है।

7. धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्थाएँ → धर्म मानव जीवन का एक विशिष्ट पहलु है। इसका मनुष्य के जीवनपर व्यापक प्रभाव पड़ता है। सांस्कृतिक संगठनों के माध्यम से भी विचारों का आदान प्रदान होती है। अतः धार्मिक संगठन एवं सांस्कृतिक संस्थाएँ जनमत के निर्माण में सहयोग करते हैं।

8. अफवाहें → जनता की विचारों पर प्रकाश डालने तथा उसको एक निश्चित दिशा की ओर मोड़ देने में अफवाहों का बहुत बड़ा हाथ रहता है। जनता को आतंकित करने एवं निजी स्वार्थ के लिए अफवाहें फैला दी जाती है, जो जनता को गलत या सही दिशा की ओर मोड़ती है। इसलिए अफवाह भी एक साधन के जनमत के निर्माण में माना गया है।

उपर्युक्त बातों से यह देखने को मिलता है कि जनमत के निर्माण में यह सभी सहयोग करते हैं तथा संपूर्ण समाज के हित के लिए काम करते हैं।

Scanned with CamScanner